

## बिल का सारांश

### राजस्थान नगर निकाय (संशोधन) बिल, 2023

- राजस्थान नगर निकाय (संशोधन) बिल, 2023 को 14 मार्च, 2023 को पेश किया गया। यह राजस्थान नगर निकाय एक्ट, 2009 में संशोधन करता है। एक्ट नगर निकायों के गठन का प्रावधान करता है।
- सदस्यों को हटाना:** एक्ट राज्य सरकार को निर्दिष्ट आधार पर नगर निकाय के सदस्यों को हटाने का अधिकार देता है। सदस्यों में नगर निगम का नगरसेवक, नगर परिषद का पार्षद और नगर बोर्ड का सदस्य, सभी शामिल हैं। सदस्यों को हटाए जाने के कुछ आधारों में बिल यह जोड़ता है कि अगर निम्नलिखित शर्तें पूरी होती हैं तो राज्य सरकार किसी सदस्य को हटा सकती है: (i) उसके चुनाव के बाद यह पाया जाता है कि वह हटाए जाने के इन आधारों पर अपात्र है, और (ii) उसकी

पात्रता पर चुनाव याचिका में सवाल खड़े नहीं किए गए और इस याचिका को दायर करने की समय सीमा समाप्त हो गई है। सदस्यों को हटाए जाने के इन आधारों में निम्नलिखित शामिल हैं: (i) इलेक्टोरल रोल में पंजीकरण से अयोग्यता के आधार, जिनमें भारत का नागरिक नहीं होना, विकृत दिमाग (अनसाउंड माइंड) का व्यक्ति होना, या किसी भी कानून के तहत मतदान से अयोग्यता शामिल है, (ii) सदस्यों की सामान्य अयोग्यता के आधार जिनमें कुछ अपराधों के लिए सजा, दिवाला निकलना, या दो से अधिक बच्चे होना शामिल है, और (iii) योग्यता की शर्तों को पूरा न कर पाना जिनमें घर में एक चालू स्वच्छ शौचालय का होना, माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा उत्तीर्ण करना, आरक्षित सीटों के लिए पात्रता शामिल है।

**अस्वीकरण:** प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च (पीआरएस) की स्वीकृति के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।